Literacy for a Billion

Movie: Pardes
Year: 1997

Song: Do dil mil rahe hai
Lyricist: Anand Bakshi

गुपचुप गुपचुप
चुप चुप
गुपचुप गुपचुप
चुप चुप
गुपचुप गुपचुप
चुप चुप
गुपचुप गुपचुप
चुप चुप

गंगा

दो दिल मिल रहें हैं
दो दिल मिल रहें हैं
मगर चुपके चपके
दो दिल मिल रहें हैं
मगर चुपके चपके

सबको हो रही है
हाँ सबको हो रही है
ख़बर चुपके चुपके

हो ओ ओ
दो दिल मिल रहें हैं
मगर चुपके चपके

साँसों में बड़ी बेक़रारी
आँखों में कई रत जगे
कभी कहीं लग जाए दिल तो
कहीं फिर दिल ना लगे
अपना दिल मैं ज़रा थाम लूँ
जादू का मैं किसे नाम दूँ
जादू कर रहा है
जादू कर रहा है
असर चुपके चुपके

ऐसे भोले बनकर हैं बैठे
जैसे कोई बात नहीं
सब कुछ नज़र आ रहा है
दिन है ये रात नहीं
क्या है कुछ भी नहीं है अगर
होंठों पे है ख़ामोशी मगर
बातें कर रही है
बातें कर रही है
नज़र चुपके चुपके

दो दिल मिल रहें हैं
मगर चुपके चपके

सबको हो रही है
हाँ सबको हो रही है
ख़बर चुपके चुपके

हो ओ ओ
दो दिल मिल रहें हैं
मगर चुपके चपके
कहीं आग लगने से पहले

उठता है ऐसा धुँआ
जैसा है इधर का नज़ारा ओ
वैसा ही उधर का समाँ
दिल में कैसी कसक सी जगी
दोनों जानिब बराबर लगी
देखो तो इधर से
देखो तो इधर से
उधर चुपके चुपके

दो दिल मिल रहें हैं
मगर चुपके चपके
सबको हो रही है
हाँ सबको हो रही है
ख़बर चुपके चुपके

हो ओ ओ
दो दिल मिल रहें हैं
मगर चुपके चपके

गुपचुप गुपचुप
चुप चुप
गुपचुप गुपचुप
चुप चुप

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.